उमंग

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)

प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),
ठेकमा, आज़मगढ़

Kudumbashree National Resource Organisation

मार्च - सितम्बर २०२१

अप्रैल से सितंबर की प्रगती

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)
प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),
नजीबाबाद,बिजनोर

संयोग
लक्ष्य सामुदायिक संसाधन व्यक्ती उद्यम संसाधन समुह
प्रखंड संसाधन केंद्र.,ह्रसवा

आक्टोबर 2021

भाग 1
संक्षिप्त विवरण

Target		Achievement	
Target for 4 years	1,357	Cumulative Achievement	477
Target 2021-22	392	Achievement 2021-22	264
New Target	1,018	New	405
Existing Enterprises	339	Achievement (EE)	72
Household Consumption	886	Achievement (HC)	431
Government Sector	43	Achievement (GS)	1
Sub-sector	89	Achievement SS	15

Male	253
Female	224
Individual	476
Group	1
Number of Entrepreneurs Avail CEF	115
Number of Active CRP-EP	24

	Block	Trading	Service	Manufacturing
1.	Thekma	210	165	102

व्यावसायिक क्षेत्र से वर्गीकरण

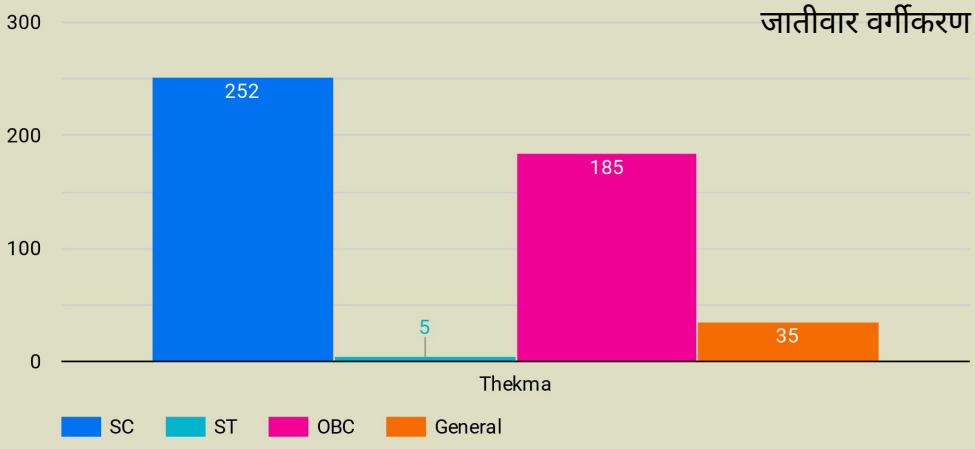

भाग 2
उद्यम संवर्धन

परियोजना अनुमोदन समिति (PAC) की बैठक

एप्रिल से सितम्बर 2021 तक एस.वी.ई.पी. बी.आर.सी. कार्यालय ठेकमा में 6 परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक करायी गयी । इन बैठक में बी॰ई॰पी॰सी॰ के सदस्य के साथ ही एस॰वी॰ई॰पी॰- बी॰एम॰एम॰ और मेंटर भी उपस्थित थे। इन बैठक में सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ द्वारा बनाये गये 264 व्यापार योजना को अनुमोदन समिति के प्रत्यक्ष रखा । अनुमोदन समिति के सदस्य द्वारा उद्यमी के साक्षात्कार लेकर, उद्यम, उद्यमी और उद्यम परियोजना के सम्बंधित पूरी जानकारी लेकर इसे स्वीकृत किए गए। इन बैठक में कुल 115 उद्यमीयों को सत्ताईस लाख दस हज़ार का ऋण स्वीकृत किया गया है । जिसमें सर्फ़ का उत्पादन , चूड़ी बनाना , झाड़ू बनाना, किराना, नमकीन की उत्पाद , परिवहन सेवा, पथर की वस्तुओं का उत्पाद , कपड़े का व्यापार जैसे भिन्न - भिन्न व्यापार शुरू किए गए है।

राखी और ब्रेसलेट का प्रशिक्षण

ब्लॉक के सेवरा संकुल संघठन के कार्यालय भिरा बाज़ार में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 10 महिला उद्यमियों को राखी और ब्रैसलेट बनाने का चार दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 7 अगस्त 2021 से 10 अगस्त 2021 के तारीख़ में, छत्तीसगढ़ से आई बिहान की समूह दीदियों द्वारा दिया गया। दीदियों ने उद्यमियों को अलग-अलग प्राकृतिक चीज़ें जैसे बीज धान , गेहू, मूंग अन्य सामग्री से नए –नए रखी के डीजाईने बनाने को सिखाया | सभी उद्यमियों ने प्रशिक्षण के बाद रखी और ब्रेसलेट बनाए और त्योहार के दौरान बेच कर मुनाफ़ा कमाया ।

झाड़ु बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉंक के सेवरा संकुल संघठन के कार्यालय भिरा बाज़ार में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 35 महिला उद्यमियों को झाड़ु बनाने का पाच दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया. यह प्रशिक्षण मार्टिनगंज से आए हुए प्रशिक्षक राज साहब पांडे के द्वारा 25/8/21 से 29/8/21 तक दिया गया | इस प्रशिक्षण मे अलग-अलग समूह के सम्भावित महिला उद्यमी शामिल थे | प्रशिक्षण की सुरुआत दीप जलाकर किया गया| सभी दीदियों ने काफी उस्ताहित होकर प्रशिक्षक के दिशा-निर्देश मे 3 प्रकार के झारू बनाना सीखा | उद्यमी संगीत दीदी ने भी इस बात को माना की सिक वाली झारू का ज्यादा मांग होती है |बाजार मे 250-300 ग्राम की झारू 35-40 रुपए मे मिलती है जब कि उसको बनाने का लागत 25-30 तक की हो रही है | सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰समूह ने भी प्रशिक्षित दीदियों को उद्यम में लगने वाली सभी प्रकार की सहायता और दीदियों को बाज़ार से जोड़ने का भी प्रबंध करने की प्रक्रिया शुरू किये है। प्रशिक्षक द्वारा कच्चे माल की जानकारी में बनारस,कानपुर,आजमगढ़ ,साहगंज अन्य जगह के बारे मे जानकारी बताया |

चूड़ी बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉंक के सेवरा संकुल संघठन के कार्यालय भिरा बाज़ार में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 35 महिला उद्यमियों को चूड़ी निर्माण का सात दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया. | इस प्रशिक्षण में 20 गाव के ३५ महिला उद्यमियों ने भाग लेकर चूड़ी के और कंगन के अलग अलग डिज़ाइन बनाना सिखा |यह प्रशिक्षण बिहार से आए हुये प्रशिक्षक आसिफ राजा और सम्मा जफरीं ने दिया | सभी दीदियों को अलग अलग समान का इस्तमाल करके कंगन बनाने बारीकियाँ सिखाया और नए डिज़ाइन के लिए इंटर्नेट का उपयोग के बारे में भी जानकारी दी. | प्रशिक्षण मे BMMU का भी संयोग मिला और मार्गदर्शन मिला. BMM ने दीदियों को सीखकर अपना व्यवसाय कर जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया | |

अमृत महोत्सव का आयोजन

ब्लॉक ऑफिस परिसर मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत 8 सितम्बर 2021 को आज़ादी के 75 साल पूरे होने के ख़ुशी में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया था | कार्यक्रम की सुरुआत बी डी ओ आज़म अली के द्वारा फीता काटकर किया गया | महोत्सव मे १०० से भी अधिक उद्यमी और उनके परिवार के लोग शामिल हुए| अतिथि के रूप मे खंड विकास अधिकारी उपस्थित थे. इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में BMMU और DMMU का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा. यह कार्यक्रम बी॰ई॰पी॰सी॰ समिती और सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ समूह ने बी॰एम॰एम॰ और मेंटर. कार्यक्रम में परियोजना स्वीकृति समिति की बैठक हुई जिसमें 47 उद्यमिओ बी॰ई॰पी॰सी॰ द्वारा डी॰एम॰एम॰, बी॰एम॰एम॰ और मेंटर की उपस्थिति मे साक्षताकर लेकर 720,000 रुपए का सामुदायिक उद्यम निधि स्वीकृत किया गया| यह निधि बाथरूम क्लिनिग प्रोडक्ट, ,झाड़ु बनाना, चूड़ी बनाना,फास्ट-फूड जैसे अलग -अलग प्रकार के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए दिया गया. .

गरीब कल्याण मेला

ब्लॉक में 25/9/21 को ब्लॉक स्तरिय गरीब कल्याण मेला आयोजित किया गया था । इस अवसर का लाभ उठाते हुए सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ ने एसवीईपी के उद्यमियों को इस मेले आमंत्रित करके उनके द्वारा बनाए गए उत्पाद का 6 स्टॉल लगाए | इन उत्पादों में सर्फ, अगरबत्ती, नमकीन, चूड़ी, झाड़ु, सोलर शामिल थे। इस मेले मे कुल 8400 रुपए की विक्री 2 घंटे मे हुई | उद्यमी अतुल श्रीवास्तव-नमकीन, सीमा-सर्फ ,रेनू राय-अगरबत्ती अन्य के मन मे एक नया विचार,प्रेरणा मिला की कही भी इस तरह का प्रोग्राम होता है तो अपना व्यवसाय का स्टॉल लगाया जाए तो अच्छी विक्री और प्रचार-प्रसार भी होगा |

भाग 3
क्षमता विकास

बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षण

24 अप्रैल 2021 को कुदुम्बश्री एनआरओ की उत्तर प्रदेश टीम ने एन॰आर॰ओ॰ क़े 4 ब्लॉक के बीआरसी के लेखाकारों का ऑनलाइन प्रशिक्षण किया। प्रतिभागियों में एन॰आर॰ओ॰ के एस॰पी॰सी॰, एफ़॰सी॰, बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद के मेंटर प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए, तथा नजीबाबाद, हसवा, नारायणी और थेकमा ब्लॉक के बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षणार्थी रूप में शामिल थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखाकारों को एसवीईपी परियोजना में उनकी भूमिका, एसवीईपी में शामिल लेखा प्रक्रिया और एसवीईपी परियोजना के तहत अभिलेखों की पुस्तकों के बारे में शिक्षित करना था। नजीबाबाद और बीएपी के संरक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रमुख प्रशिक्षक थे, जबकि कुछ सत्र एफ़॰सी॰ और एस॰पी॰सी॰ द्वारा भी किए गए ।

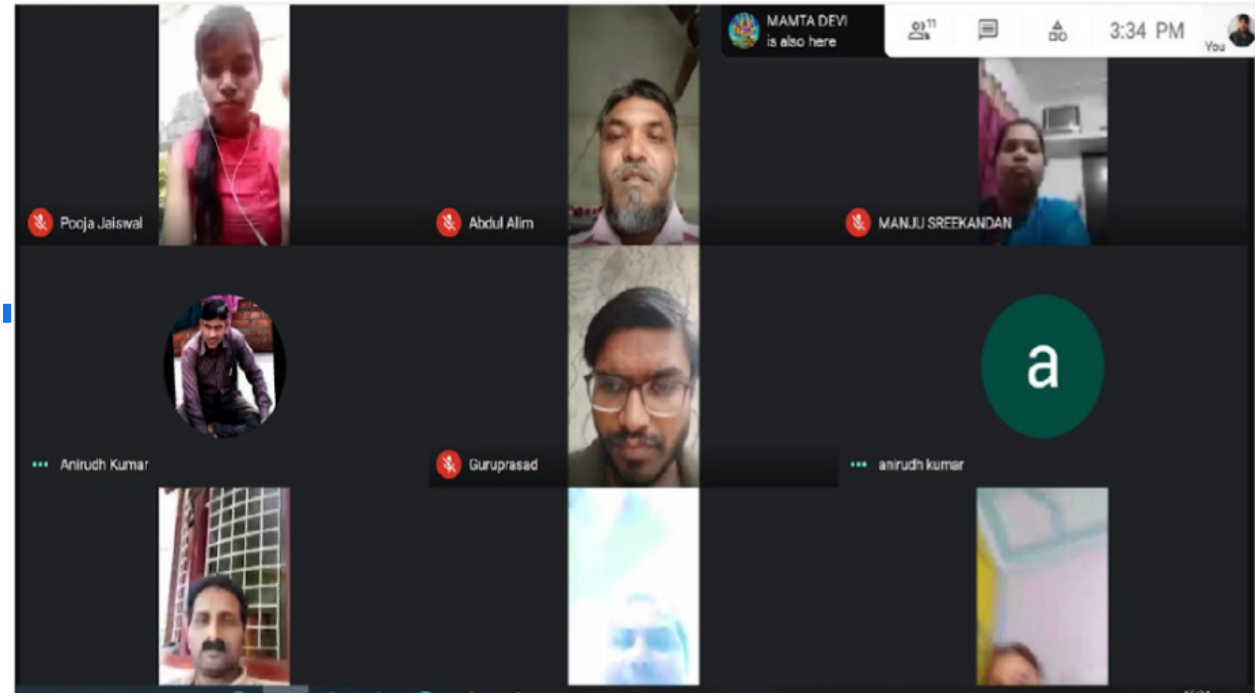

यह आठ दिनों तक चलने वाला एक प्रशिक्षण कार्यक्रम था जिसमें लेखाकारों की लेखा क्षमताओं को बढ़ाने पर **बल** दिया गया था। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और अभ्यास दोनों सत्र शामिल थे। सीखने की प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, लेखाकार के संदर्भ के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और रिकॉर्ड की सॉफ्ट कॉपी सैंपल टेम्प्लेट बनाए गए, और यह सुनिश्चित किया कि वे असाइनमेंट में इसका पालन करें।

सी.बी.ओ. उन्मुखीकरण एवं ट्रिगरिंग, जी.ओ.टी. और ई.पी.डी. का पुनश्चर्या प्रशिक्षण

C

ब्लॉक के उमंग सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ समूह को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन तरीके से स्वयं सहायता समूह, ग्राम संघटन एंव संकुल स्तरीय संघठन उन्मुखिकरन प्रशिक्षण दिवसीय गया। यह प्रशिक्षण में ब्लॉक के मेंटर ने एक प्रशिक्षक की भूमिका निभायी। सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ दीदियों ने बताया की यह सिखाने के बाद वह क्षेत्र में और अच्छे से दीदियों और उनके परिवार के सदस्याओं को समज़ा सखेंगे। प्रत्येक सत्र को काफ़ी बारीकियों से सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ को समझाया गया। साथ ही में आई॰ई॰सी॰ मटेरियल उपयोग क्षेत्र किस प्रकार से करना है और क़ोनसा आई॰ई॰सी॰ मटेरीयल किस सत्र में उपयोग करना है वह भी सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में एफ़॰सी॰ एव बी॰ए॰पी॰ का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणाली प्रशिक्षण

दिनांक- ९ और १० जुलाई २०२१ को गोमडीह के उड़ान सी॰एल॰एफ़॰ मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परियोजना के उमंग सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह ठेकमा के 22 सदस्यों को 2 दिवसीय गैर आवासीय परिक्षण दिया गया l इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ समूह का उद्यमियों के उचित डेटा को बनाए रखने। लाभ और हानि, स्टॉक माल, क्रेडिट बिक्री और अन्य खर्चों को ध्यान में रखते हुए उध्यम की प्रगति की स्तिथी का जानकारी का उन्मुखिकरन करना था। उनको पीटीएस के आधार पर परामर्श सेवाएं प्रदान करने पर भी उन्मुखिकरन किया गया । यह सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰ को वितीय ब्यौरा की जानकारी आसानी । प्राप्त हो। जाती है l इस प्रशिक्षण में कूदुंबश्री एन॰आर॰ओ॰ के बी॰ए॰पी॰ और ठेकमा ब्लॉक के मेंटोर ने प्रशिक्षक की भुमिका निभाया। प्रशिक्षण में सभी को सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ एक उद्यम का केस स्टडी ।

एस.वी.ई.पी. एप्प का प्रशिक्षण

जलाई महीने के हर रविवार को एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प का ऑनलाइन प्रशिक्षण ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड के मेंटर को दिया गया । यह प्रशिक्षण एन॰आर॰ओ॰ की बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद मेंटर के द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश था कि ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड में एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प के बारे में मेंटर और सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ का उन्मुखिकरन करके , जल्द से जल्द एप्प में कि काम शुरू करना । मेंटर का प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद यह सी॰आर॰पी॰ -ई॰पी॰ समूह को दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में डाटा संग्रह करने के लिए सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰ पंजीकरण , सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ को गाँव नामांकित करना, मेंटर, बी॰एम॰एम॰ की टिप्पणी, बी॰आर॰सी॰ द्वारा अनुमोदन , उद्यमी पंजीकरण और संभावित उधमी का व्यापार योजना कैसे बनाये यह बिंदु सिखाए गए।यह प्रशिक्षण के बाद सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ की यूज़र आई॰डी॰ तयार कर उनको भी इसके बारे में अवगत कराया. आनेवाले समय सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ को प्रशिक्षण देकर एप्प में काम करना शुरू करेंगे।

भाग 4
गैलरी

उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की तस्वीरें

क्षेत्र में.आई.ई.सी. मटेरीयल का उपयोग करती हुए सी.आर.पी.ई.पी.

पी.ए.सी. बैठकों की कुछ तस्वीरें

उद्यम निधि और उद्यमिता विकास पर चर्चा करते हुए डी.एम.एम, बी.एम.एम और मेंटर

झाड़ू प्रशिक्षण लेकर झाड़ू बनाने वाली दीदियों के उद्यम का मेंटर द्वारा फ़ोलो अप

भाग 5
प्रेरणा (सफलता की कहानी)

उद्यम का नाम :-बॉस डिटर्जन्ट पाउडर
उद्यमी का नाम :-सीमा
SHG का नाम :-माँ वैष्णो स्वय सहायता समूह
VO का नाम :- आकाश प्रेरणा
CLF का नाम :-वरदह

एक सामान्य महिला सीमा अपने पति और 2 बच्चों के साथ ठेकमा ब्लॉक के परसौली गाव में रहती है। घर के रोज़मरा के काम करना ही उनकी प्रमुख गतिविधि होती थी जब वह स्वयं सहायता समूह से जुडी तो १२ वी तक शिक्षित होने के करण समूह सखी के रूप में काम भी करने लगी । उनके पति मुंबई मे एक निजी कंपनी मे काम करते थे | कंपनी के काम चलते उनको शारीरिक समस्यों का सामना करना पड़ा। जिस कारण उनका काम छूटा और घर वापस आना पडा । |पति के शारीरिक समस्या के कारण डॉक्टर ने उनको काम करने के लिए मना कर दिया। |पति के काम छूटने के बाद घर की आर्थिक स्थिति बीघड़ने लगी थी । जिसका असर घर के ख़र्चों, बच्चे के पढ़ाई-लिखाई, सास इलाज का खर्च,पति का दवा और अन्य खर्च पर पड रहा था । यह सारे खर्च का संभालना बहुत मुस्किल होता जा रहा था |

एक दिन जब सीमा दीदी को समूह मे सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ के द्वारा उद्यमिता परियोजना के बारे में जानकारी मिली । तो उनको भी अपना उद्यम खोलने की इच्च्छा हुई। सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ द्वारा दीदी को ट्रिगरिंग की बैठक में आने के लिए कहा गया । ट्रिगरिंग में सी॰आर॰ओ॰ई॰पी॰ द्वारा सीमा दीदी को उद्यम के लिए प्रेरित किया गया । अब सिमी दीदी को महसूस होने लगा था की व्यवसाय करेने से उनके घर की आर्थिक स्थिति सुधार सकती है | ट्रीगेरिंग के बाद सीमा दीदी ने अपने पति के साथ चर्चा की और उनके पति ने भी व्यवसाय सुरू करने के लिए प्रेरित किया। दीदी के पति को सर्फ़ पाउड़र बनाने का ज्ञान और अनुभव कंपनी से मिला था , जो उन्होंने अपनी पत्नी को भी सिखाया और फिर दोनो ने मिलकर सर्फ़ पाउडर उत्पादन करने का व्यवसाय चालू करने का निर्णय लिया। उसके बाद उन्होंने जी॰ओ॰टी॰ और ई॰पी॰डी॰ प्रशिक्षण भी बड़ी रुचि लेकर पूरा किया।

बी॰आर॰सी॰ कार्यालय में अनुमोदन समिति की बैठक में सी॰आर॰पी॰EP द्वारा बनाए गए व्यापार योजना के आधार पर उनको 40,000/रुपए की ऋण सहायता दी गई। | उसके बाद उन्होंने जुलाई 2021 में सर्फ़ उत्पादन का उद्यम अपने घर पर ही शुरू किया| उन्होंने अपने उत्पाद का पैकेज़िंग करके उसको बॉस नाम दिया।

शुरू में सर्फ़ की गुणवत्ता व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आनी लगी । जिस कारण बाज़ार में उत्पाद की बिक्री करना मुश्किल हो रहा था । सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ के द्वारा दुकान से मिली ऑडर और प्रतिक्रिया के आधार से , सीमा दीदी और उनके पति ने अपने उत्पाद में ग्राहक की माँग के अनुसार भी कुछ बदलाव क़िए। उसके बाद उनको दुकानदारों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली । सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ द्वारा भी दीदी को प्रचार-प्रसार और उत्पाद की माँग लाने मे काफी सहयोग मिला |

अब प्रतिदिन 1000 -1500 रुपए तक का ऑर्डर उनको घर बैठे मिल जाता है। अब दीदी को घर के खर्चे संभालने के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ते है | व्यापार से महीने 10000-12000 हजार रुपए तक की आमदनी हो जाती है और |प्रतिदिन उत्पाद की मांग भी बढ़ रही है । सीमा दीदी और उनके पति की इच्छा है की उनका यह व्यापार बड़े स्तर पर हो। उनका अपना एक छोटासा कारख़ाना हो। जहां 10-12 काम करे और उनका उत्पाद प्रदेश की हर दुकान की माँग बन जाए ।